रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67/2021–23

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

# इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

V आजसे वैक्सी NATION

माननीय प्रधानमंत्री की देश को सौगात

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही,
कानपुर–208014

वर्ष –43 ● अंक –2 ● कानपुर 16 से 31 जनवरी 2021 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹100

# इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 212वें जन्मोत्सव पर पूर्व न्यायाधीश ने किया इलेक्ट्रो होम्योपैथिक पुस्तक का विमोचन

नागेश्वर सिंह विद्या भवन दयलापुर के प्रधानाचार्य डा0 अनिल श्रीवास्तव द्वारा लिखित पुस्तक *A Hand Book of Electro Homoeopathy* का विमोचन उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश सुधीर नारायण ने किया, प्रयागराज में इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा के जनक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 212 वें जन्म दिवस समारोह में डा0 श्रीवास्तव को सम्मानित भी किया गया, विदित हो कि इलेक्ट्रो होम्योपैथ के रूप में ख्याति प्राप्त डा0 श्रीवास्तव को 2019 में प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा अध्यापक पुरस्कार भी दिया जा चुका है।

हमीरपुर– इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक डा0 काउण्ट सीजर मैटी का 212 वां जन्मदिवस धूमधाम से इलेक्ट्रो होम्योपैथिक धर्मार्थ चिकित्सालय पतकाना में मनाया गया सर्वप्रथम डा0 मैटी के सामने दीप प्रज्जवलित कर व मैटी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं केक काट कर कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि वैज्ञानिक डा0 मुस्तफा व विशिष्ट अथिति डा0 प्रशान्त राय ने किया डा0 मुस्तफा ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दवायें अत्याधिक कारगर हैं हमने इन्हें खुद उपयोग किया है व पूर्वान्चल के लोगों को भी इससे लाभान्वित कराया है, डा0 प्रशान्त ने कहा कि हमारे पूरे किसान विकास केन्द्र में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दवायें उपयोग की जाती हैं, बनारस व बलिया के अनेक ऐसे लोग हैं जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दवायें यहां से लेने व इलाज कराने आते हैं।

कार्यक्रम में बुन्देलखण्ड के प्रभारी डा0 नरेन्द्र भूषण निगम ने कहा कि हमें जनपद में अधिक से अधिक इलेक्ट्रो होम्योपैथी धर्मार्थ चिकित्सालय खोलने हैं व अधिक से अधिक गरीब जनता को जो रोग से पीड़ित हैं उन्हें इलेक्ट्रो होम्योपैथी की औषधियों से रोग मुक्त करना है व उन्हें निःशुल्क औषधियां उपलब्ध करानी है। इसी क्रम में बुन्देलखण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथी स्टडी सेन्टर के सलाहकार व प्रभारी डा0 गणेश सिंह विद्यार्थी ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी को विशेष रूप से विस्तार से बताते हुए कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी द्वारा असाध्य रोगों को खत्म किया जायेगा, इसमें अधिक से अधिक गोष्ठी व शिविर अयोजित करने की आवश्यकता है, तब अपने आप देश में जन जन में यह फैल जायेगी और लोग लाभान्वित होकर रोग मुक्त हो जायेगें।

रायबरेली–इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी का 212 वां जन्मदिवस आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूटएण्ड हॉस्पिटल छजलापूर में धूमधाम से मनाया गया सर्वप्रथम सभी चिकित्सकों ने डा0 मैटी के चित्र पर माल्यार्पण किया, इस अवसर पर इन्सटीट्यूट के प्राचार्य डा0 पी0 एन0 कुशवाहा ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के सम्बन्ध में एक और करिश्मा नये वर्ष में हो सकता है जो मैटी जयन्ती के अवसर पर सरकार द्वारा उन्हें कोई शुभ सूचना प्राप्त हो सकती है क्योंकि मैटी जयन्ती के ही दिन भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा गठित अन्तरविभागीय समिति की बैठक आहुत की गयी है जो उक्त पैथी के उज्जवल भविष्य के शुभ संकेत हैं।

इन्सटीट्यूट के उप प्राचार्य डा0 रमेश द्विवेदी ने कहा कि राजस्थान के राज्यपाल महामहिम कलराज मिश्र ने एक वेबिनार को सम्बोधित करते हुए कहा है कि कोविड –19 से बचाव व रोकथाम एवं उपचार हेतु इलेक्ट्रो होम्योपैथी को बढ़ावा देना चाहिये, कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आशीष कुमार कुशवाहा, विजेन्द्र कुमार, दयाराम ,राजेन्द्र सिंह, छोटे लाल , दिनेश यादव,अरूण कुमार,जर्नादन प्रसाद, तेजबहादुर, राम आसेर मौर्या, मनीष कुमार मिश्रा, रूपेन्द्र कुमार, रिन्कू गुप्ता, रावेन्द्र कुमार , अभिषेक कुमार, राम विशाल आदि उपस्थित थे।

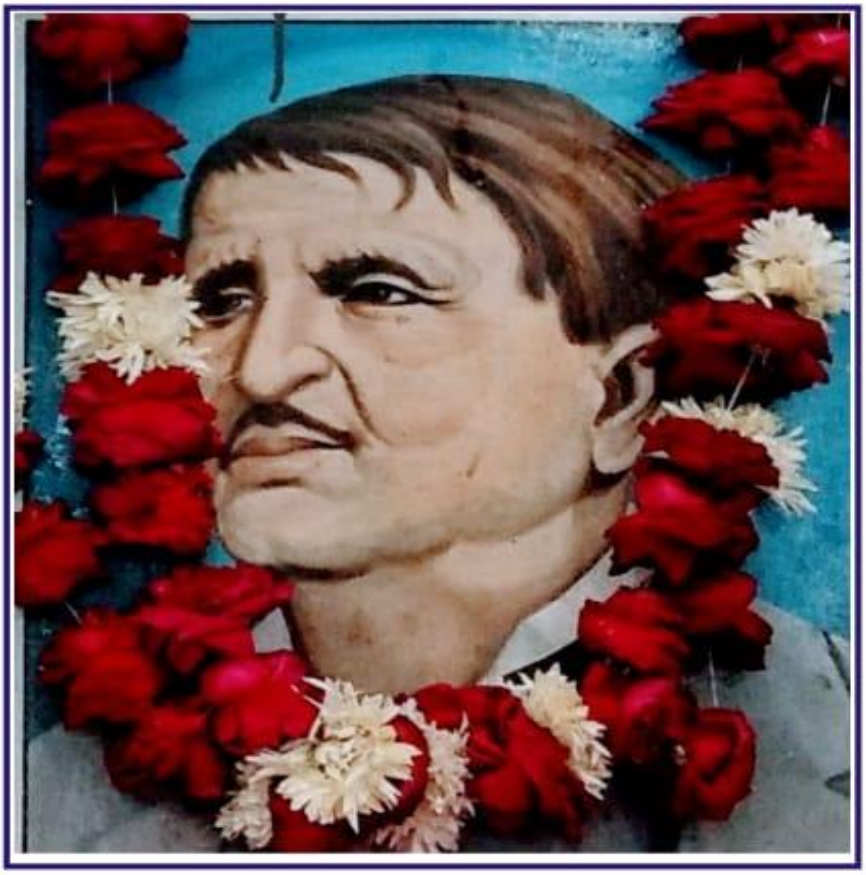

पूर्व न्यायाधीश माननीय श्री सुधीर नारायण इलेक्ट्रो होम्यो पैथिक पुस्तक का विमोचन करते हुये

लखीमपुर – माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीटयूट लखीमपुर खीरी में हर्षोल्लास के साथ अधिकारिता सप्ताह व इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के जनक डा0 काउण्ट सीजर मैटी का 212 वां जन्मदिवसमनाया गया, इस अवसर पर इन्सटीट्यूट के पूर्व छात्रों को जो इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियों से रोगियों का इलाज करते हुए इन्सटीट्यूट व बोर्ड का नाम रोशन कर रहे हैं उन्हें सम्मानित करते हुए प्रबन्ध समिति ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक राबिया बानो को कार्यक्रम का मुख्य अतिथि, चिकित्सक कल्पना श्रीवास्तव को कार्यक्रम का अध्यक्ष व चिकित्सक अर्चना विश्वकर्मा को विशिष्ट अतिथि बना कर सम्मानित किया, कार्यक्रम का शुभारम्भ डा0 मैटी के चित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्जवलित कर किया गया, डा0 अमित विश्वकर्मा द्वारा डा0 मैटी जी के जीवन पर प्रकाश डाला गया, कार्यक्रम में उपस्थित उत्तराखण्ड में माध्यमिक इण्टर कालेज के प्रवक्ता अरिमर्दन सिंह ने चिकित्सा व्यवसाय को समाजसेवा बताते हुए छात्रों से समाज में फैली कुव्यवस्था को दूर करने की अपील की और छात्रों के उज्जवल भविष्य हेतु अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

इस अवसर पर इन्सटीटयूट के छात्र चिकित्सक शौर्या सिंह, अंशिका गुप्ता, सौम्या शर्मा, मनप्रीत कौर, राधिका मिश्रा, निशा जी, शिवांगी शुक्ला आदि ने अपने विचार व्यक्त किये मुख्य अतिथि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक राबिया बानो व चिकित्सक कल्पना श्रीवास्तव तथा चिकित्सक अर्चना ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियों की प्रशंसा करते हुए अपने अनुभव बताए।

कार्यक्रम का संचालन डा0 कीर्तिका शर्मा ने किया इस अवसर पर इन्सटीटयूट के सभी स्टाफ,चिकित्सक एवं छात्र उपस्थित थे।

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा बनवाया गया 5 खण्ड का Birth Day Cake

# आत्ममंथन का समय

भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति को मान्यता प्रदान करने के लिए 28 फरवरी, 2017 को सूचना जारी की गयी थी जिसके द्वारा दावेदारों से प्रस्ताव मांगे गये थे, दावे प्रस्तुत करने के लिए निश्चित समय भी दिया गया था, इसी क्रम में बड़ी संख्या में दावे प्रस्तुत किये गये, तमाम प्रस्तावों को प्रारम्भिक परीक्षण से पहले ही अस्वीकार कर दिया गया, जो प्रस्ताव बचे उसपर विचार के लिए गठित अन्तरविभागीय समिति की एक पूर्ण बैठक 9 जनवरी, 2019 को आहुत की गयी जिसमें अधिसूचना के अनुसार निर्धारित बिन्दुओं पर चर्चा की गयी थी बैठक के निष्कर्षों पर विस्तृत कार्यवाही जारी की गयी जिससे यह सन्देश दिया गया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के लिए किन किन की पूर्ति करनी है, इसी प्रकार कई अन्य बैठकें आहुत की गयीं जिसमें लगातार हो रही गतिविधियों पर दृष्टि रखते हुए भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के लिए प्रस्तुत साक्ष्यों एवं अभिलेखों का परीक्षण सूक्ष्मता से किया गया, अब तक जो बैठकें हुई उनके समक्ष प्रस्तुत प्रस्तावों पर गहनता से परीक्षण किया गया और सरकार द्वारा जारी कार्यवाही से ऐसा आभास होता है कि (IDC) के समक्ष प्रस्तुत दावों से वह संतुष्ट नहीं है एवं इसके लिए उसने कठोर टिप्पणियां भी की हैं, अन्तर विभागीय समिति ने कभी संयुक्त प्रपोज़ल प्रस्तुत करने की बात कही तो कभी संयुक्त संशोधित प्रपोज़ल, उसने अपनी टिप्पणी में स्पष्ट तौर से लिखा है कि उसके समक्ष प्रस्तुत प्रपोज़ल एक दूसरे की नकल मात्र हैं इसमें नया कुछ भी नहीं है सिवाय प्रपोज़लकर्ताओं के नाम के।

27 मई, 2019 की महत्वपूर्ण बैठक में जिसकी कार्यवाही 3 जुलाई, 2019 को IDC द्वारा जारी की गयी है जिसमें स्पष्ट तौर पर लिखा गया है कि **The Chairman clarified that as per its present policy, neither Government proposed stopping of any ongoing activities in the unrecognized systems nor Government was giving permission for the same till they fulfill the essential and desirable criteria.** इस महत्वपूर्ण बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, विधि विभाग सहित आयुष विभाग का भी मत प्रस्तुत किया गया जिसमें सभी ने लगभग एक स्वर से व्यवस्था को आगे चलते रहने की वकालत की, किसी ने ग्रामीण चिकित्सक के रूप में भी मान्यता देने की बात की तो किसी ने **B.E.M.S.** डिग्री दिये जाने की तीखी टिप्पणी की, 2017 से 2021 तक लगभग 4 वर्ष का समय होता है यदि इसमें कोरोना काल का समय हटा दिया जाये तो भी 3 वर्ष का समय अवशेष रहता है जिसमें इलेक्ट्रो होम्योपैथी में जो भी काम किया गया है उसको ही भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के समक्ष प्रस्तुत किया जा सकता है यदि कोई कार्य ही नहीं किया गया है तो वांछित की प्राप्ति कैसे की जा सकती है! इसपर आत्ममंथन होना चाहिये तथा आगे के लिए समुचित कार्ययोजना बनानी चाहिये जिससे सरकार द्वारा वांछित की पूर्ति की जा सके यदि हम अभी भी इस सम्बन्ध इसी प्रकार उदासीन रहे तो अभीष्ट की अपेक्षा कैसे कर सकते हैं?सोशल मीडिया पर अजीब अजीब समाचार प्रसारित किये जा रहे हैं मानो यह ज़िम्मेदारी प्रपोज़लकर्ताओं के अतिरिक्त अन्य की है जबकि वास्तविका यह है कि सरकार के समक्ष जो दावेदार हैं उन्हें ही इसकी पूर्ति करनी है और उन्हें करनी भी चाहिये क्योंकि वे दावेदार हैं।

कोविड –19 वैश्विक महामारी की आहट होते ही देश में रोकथाम एवं बचाव हेतु जागरूकता के कार्यक्रम चलाये जाने लगे इन कार्यक्रमों में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सकों एवं संस्थानों ने महत्ती भूमिका निभायी, सरकार को जब यह आभास हो गया कि रोकथाम आसानी से सम्भव नहीं है तो उसने 22 मार्च, 2020 को जनता कर्फ्यू के नाम से देश की जनता से एक दिन का सहयोग मांगा और यह समय सीमा अभी पूर्ण भी नहीं हुई थी कि सरकार द्वारा लॉकडाउन की घोषणा कर दी गयी इस महामारी से निपटने के लिए सरकार द्वारा हर जतन किये गये और पूरी तत्परता एवं तन्मयता के साथ एक वर्ष से भी कम समय में इस वैश्विक महामारी की रोकथाम एवं बचाव के लिए वैक्सीन तैयार करा दी गयी जिसका प्रयोग आज से ही प्रारम्भ हो गया है।

अन्तरविभागीय समिति (IDC) की अद्यतन बैठक के निष्कर्ष के अनुरुप समयबद्ध व क्रमबद्ध योजना बनाकर Data generate कर वांछित की पूर्ति करने का प्रयास होना चाहिये, अपुष्ट आंकड़ों को प्रस्तुत करने का कोई औचित्य नहीं है

माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्स्टीट्यूट लखीमपुर में कुछ इस तरह मनाया गया अधिकारिता दिवस केक काटते हुये काली कैप में प्राचार्य डा0 राकेश शर्मा इन्सटीट्यूट के छात्रों के साथ –छाया गज़ट

अधिकारिता दिवस के अवसर पर बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 लखनऊ के कार्यालय प्रभारी श्री मो0 नसीम इदरीसी

अधिकारिता दिवस के अवसर पर कानपुर के प्रशासनिक कार्यालय में मंच से सम्बोधित करते हुये बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी छाया गजट

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद डा0 मैटी को माल्यार्पण करते हुय छाया गज़ट

# जीत लिया हमने भी एक जंग

महामारी से निर्णायक जंग की शुरुआत के लिये टीकाकरण अभियान आज से शुरु होगा दुनिया के सबसे बड़े अभियान के लिये टीके देश भर में पहुँच गये हैं।

पहने चरण में तीन करोड़ लोगों को टीका लगेगा इनमें स्वास्थ्य कर्मियों के साथ अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता शामिल हैं अब बस इन्तेज़ार उस पल का है जब अभियान के तहत देश में पहले व्यक्ति को टीका लगा कर कोरोना के अंत के लिये लड़ाई का बिगुल बज जायेगा।

अभियान के शुरुआत के साथ ही प्रधानमंत्री कोविड वैक्सीनइन्टेलिजेन्स नेटवर्क (को–विन) एप की शुरुआत करेंगे जिसपर हर व्यक्ति को पंजीकरण कराना होगा।

## टीका लगवाने जायें तो रखें ध्यान

- टीके के लिये जिस मोबाइल पर संदेश आया है उसे अपने साथ रखें, समय पर पहुँचें
- केन्द्र पर फोटोयुक्त पहचान पत्र अधिकारियों के समक्ष पेश करना होगा
- किसी तरह का कोई संकोच या सवाल है तो वहां स्वास्थ्य कर्मी को बतायें
- टीका लगने के बाद कम से कम 30 मिनट तक टीकाकरण केन्द्र पर ही बैठे रहें
- दूसरी डोज़ उसी केन्द्र पर लगेगी, दूसरे केन्द्र पर टीका लगवाने नहीं जायें

## केन्द्र के चार भाग

### प्रवेश
टीका केन्द्र पर आपके पहचानपत्र की जाँच होगी

### पुष्टि
एप पर पहचानपत्र की पुष्टि होगी

### टीका
स्वास्थ्य कर्मी आपको टीका लगायेंगे

### निगरानी
आप 30 मिनट तक केन्द्र पर डाक्टरों की निगरानी में रहेंगे

## टीके के दुष्प्रभाव

हल्का बुखार, इन्जेक्शन जहाँ लगा वहां दर्द, थकान लगना

बी0ई0एच0एम0 उत्तर प्रदेश द्वारा जनहित में जारी

# अधिकारिता दिवस कार्यक्रम धूम–धाम से मनाया गया

प्रदेश में बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा शिक्षित,प्रशिक्षित व पंजीकृत चिकित्सकों को चिकित्सा व्यवस्याय करने का अधिकार प्राप्त है इस हेतु उत्तर प्रदेश शासन के चिकित्सा अनुभाग –6 ने दिनांक 04 जनवरी, 2012 को शासनादेश जारी किया था, इस आदेश की तिथि को ही हम अधिकार दिवस के रूप में मनाते हैं, इस वर्ष हम अधिकार दिवस को अधिकार सप्ताह के रूप में मना रहे हैं जिसमें प्रदेश के अनेक जनपदों में कार्यक्रम होंगे, यह जानकारी बोर्ड के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने आज बोर्ड के सभागार में आयोजित अधिकार दिवस कार्यक्रम में बतायी उन्होंने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए उपस्थिति चिकित्सकों को अधिकार दिवस की बधाई देते हुए कहा कि इस कोरोना काल में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों ने ज़रूरतमन्दों को सहयोग कर जो मिसाल कायम की है वह प्रंशसनीय है।

बोर्ड के रजिस्ट्रार ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 8 वर्ष का समय बीत जाने के उपरान्त भी अधिकारियों के रवैये में परिवर्तन नहीं आया है, जबकि सरकार का रूख इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रति सकारात्मक है और वह लगातार इस पर कार्य भी कर रही है उन्होंने बताया कि आगामी 11 जनवरी, 2021 को अन्तरविभागीय समिति की मीटिंग है जिसमें आशा की जा सकती है कि सबकुछ अच्छा ही होगा।

श्री मिथलेश कुमार मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी एक अधिकार प्राप्त चिकित्सा पद्धति है इसके लिए उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 4 जनवरी, 2012 को आदेश जारी किया जा चुका है, इस आदेश का अनुपालन महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उ0प्र0 के पत्र दिनांक 2–9–2013 से क्रियान्वित हो रहा है परन्तु प्रदेश का इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक अभी भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं है, फलतः वह अभी भी स्वयं को सहज महसूस नहीं कर रहा है जबकि उन्हें चिकित्सा व्यवसाय करने हेतु पूर्ण शासकीय आदेश प्राप्त है, इन परिस्थितियों से उबरने के लिए बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा एक ठोस रणनीति बनायी जा रही है जो शीघ्र ही सामने आयेगी।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से निम्न लोग उपस्थित हुए सर्वश्री डा0 प्रमोद सिंह, डा0राम औतार कुशवाहा मो0 वसीम, मो0 नसीम, शाहीना इदरीसी, मारिया इदरीसी, मो0 जफ़र आदि।

# ELECTRICITIES AND THEIR IMPORTANT ACTIONS

*In Electro Homeopathy the following five different kinds of Electricals (Electricities) have been using. The liquid electrals are prepared as publised in previous issue by using different combinations of plants.*

**The Positive Red &Blue Electricities also known as R.E. & B.E.**

a) ***The Red Electricity*** **R.E.** are applied externally, suited to LymphaticTemperament patients and are highly effective in stimulating muscles and nerves. Used internally in three to five drops doses to regulate circulations of blood.

b) ***The Blue Electricity*** **B.E.** are especially good for Sanguine Temperament patients when used externally for the stimulation of those nerves "controlled by blood vessels" as a coagulant. Used internally in three to five drops doses B.E. helps to regulate circulation.

**The Negative Yellow & Green Electricities also known as Y.E. & G.E.**

a) ***The Yellow Electricity*** **Y.E.** are prescribed as especially good for Lymphatic Temperament patients when used externally to calm agitation in the nerves and used internally in three to five drop doses as a Laxative and stomach Tonic.

b) ***The Green Electricity*** **G.E.** are recommended for SanguineTemperament patients when used externally to calm nerves and relieve ulcers pain, gout and rheumatism. The G.E. is prescribed as antiseptic for blood purification.

**Neutral Electricity also known as White Electricity (W.E.)** is Prescribed For All Temperament Patients in the Treatment of Neurological Pains, Spasmodic Disorders and Congestion.

In addition to above three groups of Electricities Aqua Perla Pelle A.P.P. is recommended as a "Special water"

Slass is used as a laxative and for improvement of skin especially to remove blemishes,roughness and wrinkles Krauss.

## ELECTRO HOMOEOPATHY LIREATURES

There are number of books, journals, thousands of articles and literature published since 1870 till Today, in the field of Electro Homeopathic medical science. They also reflect life and career of the C.C. Mattei from various authors and practitioners in different languages like English, Spanish, German, French, Hindi, Urdu, Arabic and in various Indian languages. Count Cesare Mattei's "Electro-Homoeopathic" remedies not only reflected the growing popularity of the Mattei cures in Britain but also provoked a controversy between the Mattei partisans and the British Medical profess - ionals and faculty. The major fundamental difference between Homoeopathy and Electro Homoeopathy are mentioned in the Table 3. of the previous issue. Large number of data and informations are available in public domain on internet as wrll as Social Media which has clinical results of the Electro Homoeopathic treatments with success in many critical cases of witch many cases were not successfully treated in other therapeutic medical(s) systems. By one or two individuals or organizations it is simply difficult for collection documents and analysis of contemporarydevelop ment in science and technology with all the literatures of Electro Homoeopathic medical system, documented ever since the founder C.C. Mattei. For this, there is a need for a Government supported platform, Human Resources and Consideration under the Government. Only then simultaneous research and development is possible to reach the need of world population with safe, effective and cost effective natural herbal Electro Homoeopathic Medicines.

## CURRENT STATUS OF ELECTROHOMOEOP ATHIC MEDICINE IN INDIA

In India, there are about 35-40 Electro Homoe -opathic Non Government organizations imparting education and research

There are about 500 Institutions offering Degree/ Diploma /Certifate ie. F.M.E.H. , L.M.E.H. , M.B.E.H. . B.M.E.H. , G.E.H.S. , P.G.E.H. , C.E.H. , A.C.E.H. B.E.M.S. , & M.D.E.H.etc Cources commencing in Electrohomoeopathy since 1920. In these courses som are not functioning

Presently there are about 5 lakh certificate holders practicing across the country according to the reports of the common proposal submitted to the IDC Department of Health Research, Govt. of India.Ministry of Health & Family welfare. Electro Homoeopathic medical system is not a recognized medical system under Indian constitution. Consequently certificate holders are facing legal problems. In the recent decades there have been numerous legal issues with the High Court/ Supreme Court judgments, State and Central Government orders have been issued in India including Supreme Court regarding Practice, Research, Promotion and Development. In the year 1953 Dr. N.L. Sinha struggled to get recognition of Electrohomoeopathic Medical System in India as we discussed above. In the year 2015 Supreme Court of India issued an order on 22/01/2015 saying there is no ban on the Medical Practice of Electro Homoeopathy. In the year 2017, Government of India under the Ministry of Health & Family Welfare Department of Health Research constituted an expert committee for the recognition of Electro Homoeopathy consisting Sixteen Members as Inter Departmental Committee (IDC) for examination of viability for recogni - zarion of Electro Homoeopathy as new medical system of medicine. IDC conducted 3rd meeting on 9th Jan 2018 under the chairmanship of Dr.V. M. Katoach, Director General of Indian Council of Medical Research (ICMR) with 29 Electro Homoeopa - thic Organizations, in proper channel successfully and suggested to all organizations to provide references, books and scientific journal papers published till that day in Elatro Homeopathy available in the world as supplementary submission . On May 9th 2018,Rajasthan State Government passed *Rajasthan Electropathy System of Medicine Bill in 2018.* Rajasthan is the first State Government in India to floor the Bill of Electro Homeopathy as a Medical System with gazette notification No. 2(22) Sec/2/218 dated 11th April 2018. On 27th May 2019 Govt. of India IDC conducted 4th meeting with all organizations to provide Common Joint Proposal seeking recognition of Electro Homoeopathy as a system of medicine and opinioned that the basic and advanced research in Electro Homoeopathy is urgent need with the present advanced technologies.

## DISCUSSION

The plants are indispensable primary source for the existence of living organism on this planet, earth from time immemorial. For Humans and Animals, these plants are the fundamental source of food to maintain Homeostasis of tissue, organ and whole body and provide energy to conduct living activities in normal condition. That balanced state of the living condition is health. The need of these plants is essential as we consume food regularly. If any variations in the cells, tissues or organs to maintain Homeostasis then there may be disorder of the body which we call the disease. When we consume plants products, either in raw or processed form it will undergo metabolism and supply nutrient chemical particles to the body tissue which are in nano size or we can say Nano-Phytochemicals. If there is any vitiation in the body tissue which expresses itself as abnormality.

# अधिकारिता दिवस के अवसर विभिन्न संस्थानों पर सम्पन्न हुये कार्यक्रमों की एक झलक

वलीदपुर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर वलीदपुर, जनपद मऊ नाथ भंजन के प्रभारी डा0 अयाज अहमद अधिकारिता दिवस के अवसर पर चिकित्सा शिविर में

अधिकारिता दिवस के अवसर पर बंगाल में डा0 कृषेन्दू दत्ता ने मालदा में चिकित्सा शिविर लगा कर रोगियों का निशुल्क परीक्षण किया —छाया गज़ट

अधिकारिता दिवस के अवसर पर कुशवाहा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर के प्रभारी डा0 राम अवतार कुशवाहा ने बोर्ड के प्रशासनिक कार्यालय कानपुर कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया —छाया गज़ट

अधिकारिता दिवस के अवसर पर इटावा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर इटावा के प्रभारी डा0 एखलाक़ अहमद द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर रोगियों का परीक्षण किया गया —छाया गज़ट

अधिकारिता दिवस पर अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिकमेडिकल इन्सटीटयूट के उप प्रचार्य डा0 आसुतोष कपूर ने बोर्ड के लखनऊ कार्यालय के कार्यक्रम में भाग लिया—छाया गज़ट

अधिकारिता दिवस कार्यक्रम बुन्देलखण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर हमीरपूर में डा0 नरेन्द्र भूषण निगम के निर्देशन में मनाया गया —छाया गज़ट

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के प्रशासनिक कार्यालय में आयोजित अधिकारिता दिवस कार्यक्रम में डा0 वाई0आई0 खान अपने विचार देते हुये—छाया गज़ट

अधिकारिता दिवस कार्यक्रम फिरोज़ाबाद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर फिरोज़ाबाद में डा0 शिव कुमार पाल द्वारा अपने संस्थान में मनाया गया —छाया गज़ट

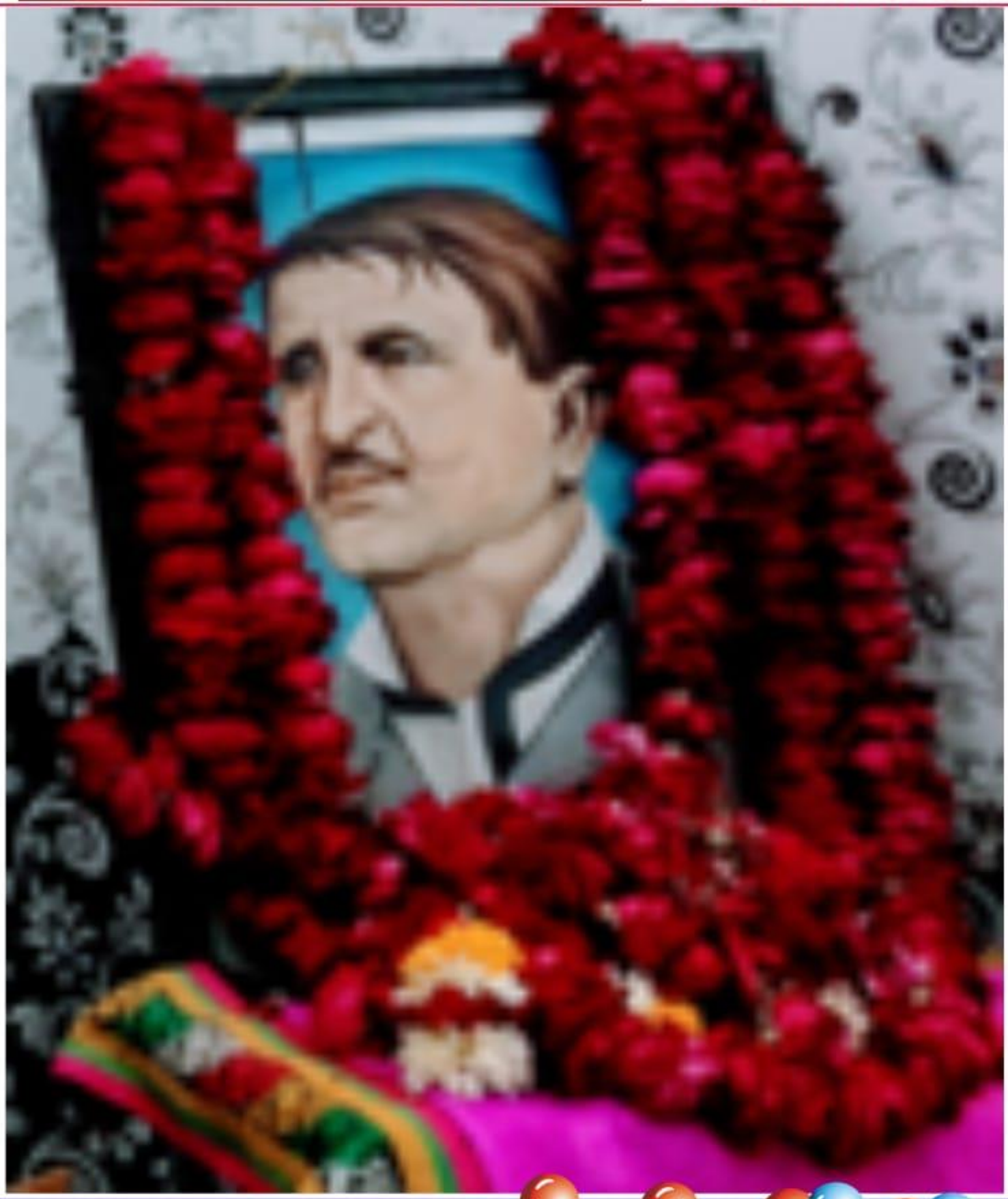

मैटी तुम जियो हज़ारो साल
और साल के दिन हों पचास हज़ार
हैपी बर्थडे टू यू !
हैपी बर्थडे टू मैटी!!

बोर्ड की ओ0एस0डी0 डा0 शाहिना इदरीसी मैटी के चित्र पर माल्यापर्ण करते हुये

डा0 नन्द लाल सिन्हा के अंतिम शिष्य डा0 वाई0 आई0 खान मैटी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये

Dr. Pramod Singh महात्मा मैटी को माल्यार्पण करते हुये

मैटी के 212 वें जन्म दिवस पर डा0 राम औतार कुशवाहा अपना स्नेह पुष्प अर्पित करते हुये

संयुक्त रुप से माल्यार्पण करेतु हुये डा0 राम शरण एवं डा0 आर0एल0 सविता

माल्यार्पण करते हुये डा0 अरुण कुमार अरोड़ा

हम भी किसी से कम नहीं
माल्यार्पण करते हुये
बेबी फ़िलज़ा अरबी

माल्यार्पण करते हुये डा0 आर0 पी0 सिंह

माल्यार्पण करते श्रीमती रिफ़त ज़फ़र–छाया गज़ट

श्रीमती स्वालेहा अरबी मैटी को माल्यार्पण करती हुयी–छाया गज़ट

डा0 मारिया इदरीसी पुष्प अर्पित करते हुये – छया गज़ट

पुष्प अर्पित करते श्री मो0 नसीम – छाया गज़ट

मैटी जी को मार्ल्यापण करते डा0 एम0के0मिश्रा

डा0 अतीक अहमद महात्मा मैटी को माल्यार्पण करते हुये

**Dr.Y.I.Khan** डा0 एन0एल0 सिन्हा के साथ बिताये पलों की जानकारी देते हुये —छाया गज़ट

डा0 राम शरण बपने अनुभवों का चिकित्सकों के साथ साझा करते हुये – छाया गज़ट

**डा0 आर0एल0 सविता अपने अनुभवों को साझा करते हुये।**

डा0 राम औतार कुशवाहा संचालक कुशवाहा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर अपने संस्मरण सुनाते हुये – छाया गज़ट

डा0 प्रमोद सिंह प्राचार्य बी0के0ई0एच0 मेडिकल इन्सटीट्यूट अपने संस्मरण सुनाते हुये – छाया गज़ट

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 212 वें जन्मोत्सव के अवसर पर केक काटते **Dr. M.H. Idrisi**

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 212 वें जन्मोत्सव के अवसर पर केक काटते **Mr. Zafar Idrisi**

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 212 वें जन्मोत्सव के अवसर पर केक काटने का एक दृष्य